विष्णुकांत जी को उनकी विनयशीलता ने बनाया लोकप्रिय: प्रधान

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित विष्णुकांत शास्त्री रचना-संचयन के लोकार्पण समारोह का आयोजन प्रधानमंत्री संग्रहालय नई दिल्ली में किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री,भारत सरकार धर्मेंद्र प्रधान थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में अकादेमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने धर्मेंद्र प्रधान,रचना-संचयन के संपादक डॉ प्रेमशंकर त्रिपाठी एवं अरुनीश चावला, सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार का स्वागत अंगवस्त्रम एवं अकादेमी के प्रकाशन भेंट कर किया। इस अवसर पर अकादेमी की उपाध्यक्ष डॉ कुमुद शर्मा भी साथ थीं। समारोह के मुख्य अतिथि धर्मेंद्र प्रधान ने रचना-संचयन का लोकार्पण किया। उन्होंने इस ग्रन्थ के प्रकाशन के लिए अकादेमी को बधाई देते हुए कहा कि पंडित विष्णुकांत शास्त्री सारस्वत साधक और बहुआयामी सक्रियता से भरे सुसंस्कृत जीवन को एक प्रतिमान के रूप में स्थापित करने वाले विद्वान राजनेता थे। शास्त्री भारतीय दर्शन और काव्य की महान परंपरा के संवाहक और पोषक थे। प्राचीन से अद्यतन तक का साहित्य उनकी विचारणा और आलोचना का विषय बना। इतना बड़ा आयाम दुर्लभ है और उसमें समान पैठ तो अति दुर्लभ है। यह विशेषता आचार्य शास्त्री को परंपरा पोषक वाली सोच के विद्वानों और नई पीढ़ी दोनों से जोड़ती है। शिक्षा, साहित्य, समाज, संस्कृति,अध्यात्म राजनीति-सभी क्षेत्रों में शास्त्री ने अपना स्मरणीय योगदान दिया और उन पर अपनी अमिट छाप भी छोड़ी है।